भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1920 का उत्तर

इंडो फ्रेंच रेलवे

1920. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

श्री विनायक भाऊराव राऊत:

श्रीमती पूनम बेन हेमतभाई माडम:

श्री अजय मिश्र टेनी:

कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चन्देल:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत एवं फ्रांस द्वारा हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत फ्रांस रेलवे भारतीय रेलवे स्टेशनों को विकसित करने में मदद करेगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या फ्रेंच विकास एजेंसी भारत में भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम (आईआरएसडीसी) को रेलवे स्टेशन विकास कार्यक्रम में अनुदान प्रदान करने के लिए सहमत हुई है;

(घ) यदि हां, तो फ्रेंच विकास एजेंसी द्वारा सहमत अनुदान की राशि क्या है;

(ङ) क्या आईआरएसडीसी को बहुत से रेलवे स्टेशनों को एयरपोर्ट के समान विश्वस्तरीय हब बनाने का कार्य दिया गया है; और

(च) यदि हां, तो गुजरात सहित स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत कार्य किए जा रहे कितने स्टेशनों की पहचान की गई है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

mm

इंडो फ्रेंच रेलवे के संबंध में दिनांक 03.07.2019 को लोक सभा में डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री विनायक भाऊराव राऊत, श्रीमती पूनम बेन हेमतभाई माडम, श्री अजय मिश्र टेनी, कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चन्देल एवं श्री श्रीरंग आप्पा बारणे के अतारांकित प्रश्न सं. 1920 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): जी नहीं। बहरहाल, भारतीय रेल स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (आईआरएसडीसी) ने एजेंसे फ्रांसेस डे डेवलेपमेंट (एएफडी) (द फ्रेंच डेवलेपमेंट एजेंसी) और एसएनसीएफ-हबों कोनेक्शन (तकनीकी पार्टनर) के साथ 10 जून, 2019 को त्रिपक्षीय एफईएक्सटीई (फंड फॉर टेक्निकल एक्सपरटीज़ एण्ड एक्सपीरिएन्स ट्रांसफर) भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एएफडी ने आईआरएसडीसी टीम के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आदि के लिए तकनीकी सहयोगी के रूप में एसएनसीएफ-हब और कोनेक्शन के जरिए सात लाख यूरो मुहैया कराने की सहमति दे दी है। इसके अतिरिक्त, एसएनसीएफ-हबों कोनेक्शन पुणे और बैंगलोर में रेलवे स्टेशन विकास परियोजना के डिजाइन, विकास, प्रबंधन, अवसंरचना और कार्यान्वयन के लिए आईआरसीडीसी को परामर्शदात्री सेवाएं प्रदान करेगा। वे बेहतर प्रक्रियाओं के लिए ग्लोबल मामले का अध्ययन करने और स्टेशन विकास पर सफलता और विफलता का अध्ययन करने के लिए भी सहमत हो गए हैं।

(ङ) से (च) : जी हां। आईआरएसडीसी विभिन्न रेलवे स्टेशनों का तकनीकी-आर्थिक व्यावहार्यता अध्ययन कर रही है। इन व्यावहार्यता अध्ययनों के परिणामों के आधार पर, आईआरएसडीसी द्वारा स्टेशनों का चरणों में पुनर्विकास करने की योजना बनाई जाती है, विशेष रूप से उन स्टेशनों की जो बड़े शहरों, तीर्थ केंद्रों और महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों में स्थित हैं। स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की लागत को स्टेशनों में तथा इसके आस-पास की भूमि और नभ क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास के लाभ से पूरा किया जाता है। इस समय, गांधीनगर (गुजरात) और हबीबगंज (भोपाल) स्टेशनों पर पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर है। गोमती नगर, चारबाग (लखनऊ) और पुडुचेरी स्टेशनों के लिए पुनर्विकास के ठेके प्रदान कर दिए गए हैं।

****

mm